

G20 रियो डी जेनेरियो 'लीडर्स डकिलेरेशन'

प्रलिस के लयि:

[G20, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना \(DPI\), सस्टेनेबल फयुल, भूमि कषरण, भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन, पेरिस समझौता, मशिन LiFE, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, वन सन वन वरलड वन ग्रडि, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अपशषिट से ऊरजा, आपदा रोधी बुनयादी ढाँचे के लयि गठबंधन \(CDRI\), छोटे द्वीपीय विकासशील राज्य, वैश्विक विकास समझौता \(GDC\), तीसरा वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शखिर सममेलन \(VOGSS\)](#)

मेन्स के लयि:

वैश्विक समस्याओं को सुलझाने और सतत् विकास को बढ़ावा देने में G20 जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका ।

[स्रोत: इकोनाॅमकिस टाइम्स](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में, G20 लीडर्स ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में 19वें G20 शखिर सममेलन के लयि एकत्रति हुए, जसिमें "एक न्यायपूर्ण वशिव और एक सतत् ग्रह का नरिमाण" वषिय के अंतरगत एक सतत् और समावेशी वशिव को आगे बढ़ाने की G20 की प्रतबिद्धता की पुष्टि की गई है ।

- इसके अतरिकित, भारत के प्रधानमंत्री ने सतत् विकास और [ऊरजा संकरमण](#) पर G20 सत्र को संबोधति कयिा ।
- G20 की मेजबानी वर्ष 2025 में दकषणि अफ्रीका तथा इसके बाद वर्ष 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका करेगा ।

G20 रियो डी जेनेरियो नेताओं के घोषणा-पत्र के मुख्य परणाम क्या हैं?

- अधिक अमीरों पर कर लगाना: घोषणा-पत्र में अधिक अमीरों पर प्रगतशील और प्रभावी कर लगाने की वकालत की गई है ।
 - कर सदिधांतों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय संप्रभुता के सम्मान पर बल दयिा जाता है ।
- बहुपक्षवाद: घोषणापत्र में [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद](#) में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशया-प्रशांत जैसे कम प्रतनिधित्व वाले कषेत्रों के बेहतर प्रतनिधित्व पर ज़ोर दयिा गया ।
 - G-20 ने [भूख और गरीबी के वरिद्ध वैश्विक गठबंधन](#) की शुरुआत की है, जसिका लकष्य वर्ष 2030 तक 500 मिलियन लोगों को नकद हस्तांतरण और 150 मिलियन बच्चों को स्कूल भोजन उपलब्ध कराना है ।
- सामाजिक समावेशन और डिजिटल वभिजन: नेतागण भुगतान और अवैतनिक देखभाल कार्यों में पुरुषों और महिलाओं दोनों की समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लयि प्रतबिद्ध हैं, तथा दोनों लयिों की भागीदारी को प्रोत्साहति करते हैं ।
 - G-20 देशों ने [डिजिटल वभिजन को कम करने](#) के लयि अपनी प्रतबिद्धता की पुन: पुष्टि की, जसिमें वर्ष 2030 तक [लैंगिक डिजिटल वभिजन](#) को आधा करना भी शामिल है ।
 - भारत, ब्राज़ील और दकषणि अफ्रीका ने समावेशी डिजिटल परविरतन के लयि [डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना \(DPI\)](#) पर एक संयुक्त घोषणापत्र जारी कयिा ।
- जलवायु कार्यावाही: नेताओं ने कम उत्सर्जन वाली ऊरजा के लयि समावेशी, प्रौद्योगिकी-तटस्थ दृष्टिकोण पर ज़ोर दयिा और वैश्विक जलवायु परविरतन गतशीलता कार्य बल का स्वागत कयिा ।
 - इसने स्वैच्छिक आधार पर वर्ष 2040 तक [भूमि कषरण](#) को 50% तक कम करने की G-20 की महत्वाकांक्षा की पुन: पुष्टि की, जैसा कि [G-20 भूमिपहल](#) के तहत प्रतबिद्धता व्यक्त की गई है ।
- वैश्विक व्यापार: G-20 देश [WTO के नयिमें](#) और बहुपक्षीय पर्यावरण समझौतों के अनुरूप भेदभावपूर्ण हरति आर्थिक नीतयिों से बचने पर सहमत हुए ।
 - वैश्विक स्वास्थ्य: G-20 देशों ने [टीकों](#), चकितिसा और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकयिों तक न्यायसंगत पहुँच बढ़ाने के लयि स्थानीय और कषेत्रीय उत्पादन गठबंधन का स्वागत कयिा ।

डजिटल सार्वजनिक अवसंरचना

- **परिचय:** डजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) डजिटल प्रणालियों का एक समूह है जो देशों को सुरक्षा और कृशलतापूर्वक आर्थिक अवसर प्रदान करने और सामाजिक सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाता है।
- **कवरेज:** DPI पूरी अर्थव्यवस्था को कवर करता है, लोगों, डेटा और धन को उसी तरह जोड़ता है जिस तरह सड़कें और रेलवे लोगों और वस्तुओं को जोड़ते हैं।
- **DPI पारस्थितिकी तंत्र:** लोग, डेटा और धन एक प्रभावी DPI पारस्थितिकी तंत्र की नींव बनाते हैं :
 - पहला, **डजिटल ID प्रणाली** के माध्यम से लोगों का प्रवाह।
 - दूसरा, वास्तविक समय **तीव्र भुगतान प्रणाली** के माध्यम से धन का प्रवाह।
 - तीसरा **सहमत-आधारित डेटा साझाकरण प्रणाली** के माध्यम से व्यक्तिगत जानकारी का प्रवाह, ताकि DPI के लाभों को वास्तविक बनाया जा सके और नागरिकों को डेटा को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता प्रदान की जा सके।

जी-20

- एशियाई वित्तीय संकट के बाद वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिये वर्ष 1999 में स्थापित
- स्थायी सचिवालय नहीं
- सदस्य: 19 देश और यूरोपीय संघ (EU)
- स्थायी अतिथि देश: स्पेन
- G20 शिखर सम्मेलन: प्रतिवर्ष आयोजित होता है
- 2023 की अध्यक्षता: भारत (थीम - एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)
- शेरपा: ये G20 देशों के प्रतिनिधियों के रूप में कार्यावली एवं कार्यो का समन्वय करते हैं
- ट्रोइका: अध्यक्षता ट्रोइका द्वारा समर्थित है (ट्रोइका शब्द का इस्तेमाल पूर्व, वर्तमान और भविष्य की अध्यक्षता के संदर्भ में किया जाता है)



नोट: शक्तिशाली G-20 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने "सुरक्षा, कफायती, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी स्वास्थ्य उत्पादों और प्रौद्योगिकियों" तक अधिक न्यायसंगत पहुंच को बढ़ावा देने के लिये स्थानीय और क्षेत्रीय उत्पादन के लिये गठबंधन स्थापित करने का संकल्प लिया है।

G20 रियो घोषणापत्र में भारत की क्षेत्रीय प्रगति पर प्रकाश डाला गया है?

- समावेशिता और सतत विकास लक्ष्य: वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 4 करोड़ से अधिक परिवारों को आवास प्रदान किया है, 12 करोड़ घरों में अब स्वच्छ जल उपलब्ध है, 10 करोड़ परिवारों को स्वच्छ खाद्य ईंधन उपलब्ध कराया गया है तथा 11.5 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय प्रदान किये गए हैं।
- पेरिस समझौता लक्ष्य: भारत पहला G20 देश है जिसने **पेरिस समझौते** के तहत की गई प्रतिबद्धताओं को समय से पूरा कर लिया गया है।
 - भारत ने नवंबर 2021 में ही गैर-जीवाश्म ईंधन से 40% स्थापित वदियुत क्षमता का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है।
 - भारत के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के नए लक्ष्य के अंतर्गत 200 गीगावाट की क्षमता हासिल कर ली है।
- हरति परिवर्तन: भारत **मशिन लाइफ** के साथ वैश्विक हरति परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है, ताकि सतत जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सके और वैश्विक ऊर्जा संपर्क बढ़ाने तथा नवीकरणीय ऊर्जा नेटवर्क का विस्तार करने के लिये **वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड** और **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन** जैसी पहलों को बढ़ावा दिया जा सके।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था: भारत ने **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन** की शुरुआत की है और भारत में **अपशिष्ट से ऊर्जा अभियान** संचालित है जिसका उद्देश्य अपशिष्ट को न्यूनतम करना और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना है।
- आपदा रोधी अवसंरचना के लिये गठबंधन: भारत ने **आपदा रोधी अवसंरचना के लिये गठबंधन** की शुरुआत की है, जो जलवायु चुनौतियों का सामना करने के लिये सुदृढ़ अवसंरचनाओं के निर्माण हेतु पूर्व-निवारक उपायों और आपदा पश्चात् पुनर्प्राप्ति दोनों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- ग्लोबल साउथ के लिये समर्थन: भारत ग्लोबल साउथ में, विशेष रूप से **छोटे विकासशील द्वीपीय देश (SIDS)** के लिये ऊर्जा परिवर्तन के लिये सतत और विश्वसनीय जलवायु वृत्ति की आवश्यकता का समर्थन करता है।
 - तीसरा वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन (VOGSS), 2024** में लॉन्च किये गए **ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट (GDC)** के माध्यम से **ग्लोबल साउथ के साथ** सतत विकास के अनुभवों को साझा करने के लिये प्रतिबद्ध है।
 - जीडीपी भारत के विकास ढाँचे के अंतर्गत व्यापार, सतत विकास, प्रौद्योगिकी साझाकरण और रियायती वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करता है।

वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में G20 का क्या महत्व है?

- वैश्विक आर्थिक प्रभाव: G20 राष्ट्र सामूहिक रूप से वैश्विक आर्थिक उत्पादन के 85% से अधिक, वैश्विक निर्यात के लगभग 75% तथा विश्व की लगभग 80% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
 - यह G7 जैसे पुराने समूहों की तुलना में विश्व अर्थव्यवस्था का अधिक विविध एवं सटीक प्रतिनिधित्व है।
- संकट प्रबंधन: G20 ने वर्ष 2008-2009 के वैश्विक वित्तीय संकट की प्रतिक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाई थी, जिसमें इसके सदस्य देशों ने 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के व्यय उपायों पर सहमत व्यक्त की थी, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के साथ मंदी का प्रबंधन करने में सहायता मिली।
 - हाल ही में **कोविड-19 महामारी** के आर्थिक प्रभाव से निपटने में G20 की भूमिका निर्णायक रही है।
- भू-राजनीतिक प्रतिनिधित्व: इसमें भारत और ब्राज़ील जैसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक राष्ट्रों के साथ-साथ चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे नरिंकुश राष्ट्र भी शामिल हैं, जिससे वैश्विक मुद्दों पर व्यापक दृष्टिकोण मिलता है।
 - अफ्रीकी संघ** को शामिल करने से 1.3 अरब से अधिक लोगों और 3.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले महाद्वीप के दृष्टिकोण को शामिल किया गया।
- जलवायु परिवर्तन: वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में G20 देशों की हिस्सेदारी 80% से अधिक है। यह समूह जलवायु परिवर्तन को कम करने के किसी भी वैश्विक प्रयास में अपरहार्य है।

नषिकर्ष

G20 रियो डी जेनेरियो लीडर्स की घोषणा और भारत के प्रधानमंत्री के संबोधन में सतत विकास, जलवायु कार्रवाई एवं ऊर्जा परिवर्तन के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला गया है। पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने एवं हरति परिवर्तन को बढ़ावा देने जैसी भारत की सक्रिय पहल सभी देशों के लिये न्यायसंगत, सतत एवं समावेशी भविष्य को बढ़ावा देने के क्रम में इसके महत्त्व को रेखांकित करती है।

प्रश्न: वैश्विक चुनौतियों से निपटने में G20 देशों की भूमिका का आकलन कीजिये।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????

प्रश्न: नमिन्लखिति में से कसि एक समूह के चारों देश G20 के सदस्य हैं? (2020)

- (a) अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- (b) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- (c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
- (d) इंडोनेशिया, जापान, सगिपुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/g20-rio-de-janeiro-leaders-declaration>

